



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 341]

नई विल्ली, मंगलवार, लित्तम्बर 15, 1970/भाद्रा 24, 1892

No. 341]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 15, 1970/BHADRA 24, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रहण संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 15th September 1970

S.O. 3115.—In exercise of the powers conferred by section 109 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government, being of opinion that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that every licensed dealer, refiner or other person who makes a consolidated quarterly declaration under section 16 of the said Act, read with the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue and Insurance, No. S.O. 377, dated 24th January, 1969, shall be exempted from the provisions of sub-section (10) of section 16 of the said Act, if—

(i) he endorses, on the copy of the consolidated quarterly declaration retained by him, the date on which the further consolidated declaration for the quarter immediately following was made by him and the number under which that declaration was recorded in the office of the Gold Control Officer; and

(ii) such endorsement is made within fifteen days from the date on which the copy of the said further quarterly declaration as recorded by the Gold Control Officer is received back by such licensed dealer, refiner or other person.

[No. F. 1/198/68-G.C. II.]  
JASJIT SINGH, Jt. Secy.

## वित्त मंत्रालय

## राजस्व और बोना विभाग

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1970

का०आ० 3115.—स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 109 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, एतद्वारा नियंत्रण देती है कि प्रत्येक अनुशास्त्र ब्यौहारी, परिष्कारक या अन्य व्यक्ति को, जो भारत सरकार के राजस्व और बोना विभाग की अधिसूचना सं० का० आ० 377, तारीख 24-1-1969 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 16 के अधीन समेकित त्रैमासिक घोषणा करता है, उक्त अधिनियम की धारा 16 की उपधारा (10) के उपबन्धों से मुक्त कर दिया जायेगा यदि—

- (i) वह अपने पास रखी गई समेकित त्रैमासिक विवरण की प्रति पर वह तारीख जिस को उसके द्वारा डीक पश्चात्वर्ती तिथाही के लिए अतिरिक्त समेकित घोषणा की गई थी, और वह संलग्न जिसके अन्तर्गत वह घोषणा स्वर्ण नियंत्रण अधिकारी के कार्यालय में अधिलिखित की गई थी, पृष्ठांकित करता है ; और
- (ii) ऐसा पृष्ठांकन उस तारीख से, जिसको स्वर्ण नियंत्रण अधिकारी द्वारा यथा-अभिलिखित उक्त अतिरिक्त त्रैमासिक घोषणा की प्रति ऐसे अनुशास्त्र ब्यौहारी, परिष्कारक या अन्य व्यक्ति को वापिस मिलती है, पन्द्रह दिन के अंदर किया जाता है ।

[सं० एफ० 1/198/68-जी०सी०II.]

जमजीत सिंह, संभूक्त सचिव ।